भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

12.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4003 का उत्तर

सीतापुर से नेपाल सीमा तक रेल लाइनें

4003. श्री राकेश राठौर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश के सीतापुर ज़िले से नेपाल सीमा तक, तहसील लहरपुर, तंबौर, सेवता और बहराइच ज़िले से होते हुए एक नई रेल लाइन, जिसके लिए सर्वे पहले ही किया जा चुका है, बिछाने का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस प्रस्तावित परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है, अनुमानित लागत कितनी है और कार्य शुरू होने की संभावित तिथि क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार का भविष्य में इस रेल लाइन की व्यावसायिक, धार्मिक और जन-उपयोगिता की समीक्षा करते हुए इस परियोजना को लागू करने का विचार है, क्योंकि इस रेल लाइन से पशुपतिनाथ मंदिर, गौतम बुद्ध की जन्मस्थली, लुम्बिनी और माता सीता की जन्मस्थली, जनकपुर जैसे धार्मिक स्थलों की यात्रा सुगम होने के साथ-साथ सीतापुर ज़िले को हरदोई, लखीमपुर खीरी, शाहजहाँपुर, बाराबंकी ज़िलों और राज्य की राजधानी लखनऊ से रेल तंत्र के माध्यम से जोड़ने की भी संभावना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): बुढ़वल और गोंडा के रास्ते सीतापुर और बहराइच पहले से ही मौजूदा रेल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा, नेपाल की सीमा/आस-पास के क्षेत्र से रेल संपर्क स्थापित करने/सुधारने के लिए निम्नलिखित कार्य/सर्वेक्षण शुरू किए गए हैं:

क्र.सं.	परियोजना	स्थिति
1	बहराइच - नेपाल गंज आमान	परियोजना हाल ही में पूरी की जा चुकी है।

	परिवर्तन (56 कि.मी.)	
2	बहराइच - खलीलाबाद नई लाइन (240 कि.मी.)	राज्य सरकार के माध्यम से भूमि अधिग्रहण के लिए परियोजना को "विशेष रेल परियोजना" के रूप में अधिसूचित किया गया है। प्रमुख खंड-वार प्रगति निम्नानुसार है: खलीलाबाद-बांसी (54 कि.मी.): • 254.44 हेक्टेयर भूमि में से 246.81 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। • 61.71 लाख घन मीटर में से 37.03 लाख घन मीटर भूमि संबंधी कार्य पूरा किया जा चुका है। • इस खंड पर 26 बड़े पुलों और 7 स्टेशन भवनों का निर्माण कार्य शामिल है। • 56 में से 27 निचले सड़क पुल का कार्य पूरा किया जा चुका है। • 4 ऊपरी सड़क पुलों के निर्माण की योजना बनाई गई है। बंसी-इकाउना (120 कि.मी.): 568.22 हेक्टेयर भूमि में से 48.02 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। इकाउना-बहराइच (66 कि.मी.): 329.60 हेक्टेयर भूमि में से 274.17 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है।
3	सीतापुर सिटी - बहराइच नई लाइन (99 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को

		स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।
4	मैलानी - भीरा खीरी आमान परिवर्तन (16 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।
5	भीरा खीरी - रायबोझा नई लाइन (120 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।
6	रायबोझा - नानपारा आमान परिवर्तन (13 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।
7	गाजियाबाद-शाहजहांपुर-सितापुर तीसरी और चौथी लाइन (403 कि.मी.)	हाल ही में परियोजना को 14926 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृति दे दी गई है।
8	बुढ़वल - सीतापुर सिटी तीसरी और चौथी लाइन (103 कि.मी.)	हाल ही में परियोजना को 2276 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृति दे दी गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के पश्चात्, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत और गतिशील प्रक्रिया है, सटीक समय-सीमा विभिन्न हितधारकों द्वारा मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करती है।

पशुपतिनाथ मंदिर (काठमांडू), लुंबिनी और जनकपुर जैसे धार्मिक स्थल भारत के बाहर नेपाल में स्थित हैं। सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, शाहजहांपुर, बाराबंकी और लखनऊ पहले से ही मौजूदा रेल नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं।

उत्तर प्रदेश:

रेल बजट:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
2026-27	20,012 करोड़ रुपए (18 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 किलोमीटर	199 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-26	5,499 किलोमीटर	458 किलोमीटर प्रतिवर्ष (2 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 62,417 करोड़ रुपए की लागत पर 3,691 किलोमीटर कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (09 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 39 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक किया गया व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	09	1,200	365	11,885
आमान परिवर्तन	01	11	0	27
दोहरीकरण/बहुपथन	39	2,480	985	21,631
कुल	49	3,691	1,350	33,543

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	मेरठ-मुज़फ्फरनगर दोहरीकरण (55 कि.मी.)	430
2	बलिया-गाजीपुर सिटी दोहरीकरण (65 कि.मी.)	650
3	गाजीपुर सिटी-तारीघाट नई लाइन (17 कि.मी.)	1,766
4	गोंडा-गोरखपुर लूप आमान परिवर्तन (260 कि.मी.)	863
5	गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 कि.मी.)	318
6	बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 कि.मी.)	1,700

7	कप्तानगंज-छपरा आमान परिवर्तन (234 कि.मी.)	819
8	पीलीभीत-शाहजहाँपुर आमान परिवर्तन (83 कि.मी.)	589
9	इंदारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 कि.मी.)	213
10	लखनऊ-पीलीभीत आमान परिवर्तन (263 कि.मी.)	1,634
11	भदोही-जंघई दोहरीकरण (31 कि.मी.)	168
12	लहोटा-भदोही दोहरीकरण (39 कि.मी.)	184
13	इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 कि.मी.)	313
14	फाफामऊ-प्रयागराज दोहरीकरण (14 कि.मी.)	212
15	मुजफ्फरनगर-टपरी दोहरीकरण (52 कि.मी.)	525
16	उतरेटिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 कि.मी.)	662
17	रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 कि.मी.)	668
18	आलमनगर-उतरेटिया दोहरीकरण (20 कि.मी.)	358
19	भीमसेन-झाँसी दोहरीकरण (206 कि.मी.)	2,620
20	डोमिनगढ़-कुसुम्ही तीसरी लाइन एवं गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण (21 कि.मी.)	508
21	मल्हौर-डालीगंज दोहरीकरण (13 कि.मी.)	183
22	रूमा चकेरी-चंदारी तृतीय लाइन (13 कि.मी.)	177
23	बरेली-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 कि.मी.)	313
24	रोसा-बुढ़वल दोहरीकरण (181 कि.मी.)	2,094
25	जौनपुर-अकबरपुर दोहरीकरण (77 कि.मी.)	676
26	रामना-सिंगरौली दोहरीकरण (160 कि.मी.)	2,436
27	जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 कि.मी.)	414
28	वाराणसी-प्रयागराज दोहरीकरण (120 कि.मी.)	2,018
29	करैला रोड-शक्तिनगर दोहरीकरण (32 कि.मी.)	763
30	देवबंद-रुड़की नई लाइन (27 कि.मी.)	1,289
31	आगरा-इटावा नई लाइन (110 कि.मी.)	427
32	फेफना-इंदारा, मऊ-शाहगंज दोहरीकरण (150 कि.मी.)	1,778
33	जंघई-प्रतापगढ़-अमेठी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	1,429
34	बुढ़वल-गोंडा तीसरी लाइन (62 कि.मी.)	1,308

चालू परियोजनाएं:

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1.	बाराबंकी-बुढ़वल तीसरी लाइन (27 कि.मी.)	426
2	बुढ़वल- गोंडा कचहरी चौथी लाइन (56 कि.मी.)	796
3	कटरा-अयोध्या धाम दोहरीकरण (10 कि.मी.)	466
4	पंडित दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज तीसरी लाइन (150 कि.मी.)	2,649
5	बिल्ली-चुनार दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1,424
6	छपरा-बलिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	1,046
7	एटा-कासगंज नई लाइन (29 कि.मी.)	389
8	गोरखपुर-वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (96 कि.मी.)	1,121
9	वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय तीसरी और चौथी लाइन (15 कि.मी.)	2,464
10	झांसी- मानिकपुर और खैरार-भीमसेन दोहरीकरण (431 कि.मी.)	4,330
11	सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन (81 कि.मी.)	1,320
12	प्रयागराज (इरादतगंज)-मानिकपुर तीसरी लाइन (84 कि.मी.)	1,508
13	भटनी-औंड़िहार दोहरीकरण (117 कि.मी.)	2,529
14	मथुरा-झांसी तीसरी लाइन (274 कि.मी.)	5,961
15	आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण (150 कि.मी.)	988
16	बाराबंकी-मल्हौर तीसरी और चौथी लाइन (33 कि.मी.)	450
17	फाफामऊ-ऊंचाहार दोहरीकरण (72 कि.मी.)	899
18	औंड़िहार-वाराणसी सिटी तीसरी लाइन (31 कि.मी.)	497
19	नागदा-मथुरा तीसरी और चौथी लाइन (568 कि.मी.)	16,403

पिछले तीन वर्षों 2023-24, 2024-25, 2025-26 और चालू वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 3860 किलोमीटर कुल लंबाई को कवर करने वाले 78 सर्वेक्षण (13 नई लाइन, 2 आमान परिवर्तन और 63 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

रेल अवसंरचना परियोजनाएं क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को सक्षम बनाती हैं, जिनमें शामिल हैं:

- **देश के अन्य हिस्सों के साथ क्षेत्र की बेहतर संपर्कता**
- **माल और सेवाओं की तीव्र आवाजाही,**
- **संभार तंत्र क्षमता में सुधार, परिवहन लागत में कमी,**
- **लाइन क्षमता में वृद्धि**
- **क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों में वृद्धि,**
- **परिचालनिक संबंधी बाधाओं में कमी**
- **क्षेत्र में पर्यटन उद्योग का विकास और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि।**

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **किसी परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

******